

→ ऋग्वैदिक काल में शिक्षा का अधिकार सभी को था।

→ ब्रह्मचर्य आश्रम में गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की जाती थी।

→ विद्या आरम्भ से पूर्व उपनयन संस्कार होता था।

→ ऋग्वैदिक काल की विदुषियाँ →

- | | | | |
|----|---|---|------------|
| 1. | S | - | सिकता |
| 2. | A | - | अपाला |
| 3. | V | - | विश्वरा |
| 4. | L | - | लोषामुद्रा |
| 5. | G | - | दोषा |

→ उत्तरवैदिक काल की विदुषियाँ →

- | | | | |
|----|---|---|--------|
| 1. | M | - | मैत्री |
| 2. | G | - | गार्गी |

→ ज्ञान की प्रक्रिया →

- [श्रवण
- [मनन
- [निदिध्यासन

→ ऋग्वेद में 10564 श्लोक हैं।

अन्तैवासी → गुरुकुल में रहकर शिक्षा ग्रहण करने वाले

पितृश्रुतैवासी → पिता के घर में रहकर शिक्षा ग्रहण करने वाले
(पिता ही शिक्षक)

नैष्ठिक → जीवन पर्यन्त शिक्षा ग्रहण करने वाले

उपकुर्वाणा → शिक्षा उपरान्त घर लौटने वाले

ब्रह्मवादिनी → ध्याजीवन ब्रह्मचारी स्तर विद्या अध्ययन करने वाली

प्रमुख शिक्षा केन्द्र →

1. तक्षशिला →

→ झेलम नदी के किनारे शवलपिंडी (पाकिस्तान)

→ प्रशासक → तक्ष

→ संस्थापक → भरत

→ भाषा → संस्कृत

→ 1980 में तक्षशिला को विश्व धरोहर में शामिल किया गया।

→ तक्षशिला में शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र →

1. चाणक्य

2. चन्द्रगुप्त

3. प्रसेनजित

4. जीवक

5. पाणिनी

6. पैतृजलि

2. नालंदा →

→ बडगाँव, राजगीर (बिहार)

→ संस्थापक → कुमारगुप्त

→ नालंदा को " महायान का ऑक्सफोर्ड " कहते हैं।

- पुस्तकालय का नाम → धर्मयज्ञ / धर्मगर्भ
- पुस्तकालय के 03 भवन →
 (1) रत्नसागर
 (2) रत्नोदधि
 (3) रत्नरत्न
- ह्येनसांग तथा इत्सिंग ने नालंदा में अध्ययन किया था।
- नालंदा में 10,000 छात्र तथा 1510 शिक्षक थे।
- कुलपति → शीलभद्र
3. काशी →
 → उपनिषद् काल से ही हिन्दू धर्म की शिक्षा का सबसे बड़ा केन्द्र था।
- अलबरूनी हिन्दू धर्मशास्त्रों की जानकारी के लिए काशी गया था।
4. काँची →
 → पल्लव शिक्षा का सबसे बड़ा केन्द्र था।
5. औदुम्पुरी →
 → बिहार
- संस्थापक → गोपाल (पाल वंश का संस्थापक)
6. विक्रमशीला →
 → बिहार
- संस्थापक → धर्मपाल
7. वल्लभी →
 → काठियावाड़ (गजराती)

→ 1781 में वारेन हेस्टिंग्स ने "कलकता मदरसे" की स्थापना की

→ 'कलकता मदरसा' "ईस्ट इण्डिया कम्पनी" द्वारा स्थापित पहला विद्यालय था।

→ 1784 में विलियम जोन्स ने "एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल" की स्थापना की। बाद में इसका नाम "रॉयल सोसायटी ऑफ बंगाल" कर दिया गया।

→ 1791 में जोनाथन उकन ने वाराणसी में "संस्कृत कॉलेज" की स्थापना की।

- कारण → यूरोपीय न्यायाधीशों को सहायता प्राप्त करने के लिए हिन्दू न्यायाधीशों को तैयार करना।

→ 1800 में विलियम ने कम्पनी के असैनिक अधिकारियों के लिए कलकता में "Fort William College" की स्थापना की।

→ 1813 में पहली बार चार्टर एक्ट में शिक्षा के लिए लाख रुपये का प्रावधान किया गया।

→ 1833 के अधिनियम में इसे बढ़ाकर 10 लाख रु. कर दिया गया।

→ 1823 में शिक्षा के माध्यम को लेकर विवाद हुआ।

- प्राच्य शिक्षा के समर्थक →

- जैम्स प्रिंसेप
- विलसन

→ पाश्चात्य शिक्षा के समर्थक →

↳ मुनरो
↳ एल्फिंस्टन

→ वायसराय विलियम बेंटिंक ने लार्ड मैकाले की अध्यक्षता में लोक शिक्षा समिति का गठन किया।

→ मैकाले का कथन → "एक यूरोपीय लाइब्रेरी की एक अलमारी की एक तरफ की पुस्तकें भारत तथा अरब के साहित्य से अधिक मूल्यवान हैं।"

→ मैकाले भारत में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त ऐसा वर्ग तैयार करना चाहता था जो रक्त और रंग से भारतीय हो तथा प्रवृत्ति व नैतिकता की दृष्टि से अंग्रेज हो।

→ मैकाले ब्राउन रंग के अंग्रेज तैयार करना चाहता था।

→ 1835 में "मैकाले मिनट" को स्वीकार किया गया तथा राजभाषा अंग्रेजी हो गई।

(पहले राजभाषा फारसी थी।)

→ आंकलैण्ड ने शिक्षा का "अधोमुखी निर्यंदन सिद्धान्त" दिया जिसके फलस्वरूप उच्च वर्ग को शिक्षित किया जाए जिससे शिक्षा का प्रभाव घनघन कर स्वतः ही निम्न वर्ग तक आ जाएगा।

(Top to Bottom)

→ 1854 में "चार्ल्स वुड डिस्पैच" जारी हुआ जिसे "भारतीय शिक्षा का मैगनाकार्टा" (अधिकार पत्र) कहा जाता है।

→ "चार्ल्स वुड डिस्पैच" की सिफारिशें → महिला शिक्षा को प्रोत्साहन

1.

2. लंदन विश्वविद्यालय की तर्ज पर "कलकता, बम्बई व मद्रास" में 03 विश्वविद्यालयों की स्थापना की जाएगी।

→ 1882 में "हटर कमीशन" का गठन हुआ।

"हटर कमीशन" की सिफारिशें →

1. High Schools में व्यावसायिक शिक्षा दी जाए।

2. निम्नी शिक्षण संस्थानों की स्थापना पर बल।

3. उच्च शिक्षण संस्थानों से सरकार का पार्थक्य।

→ 1902 में लार्ड कर्जन ने "थॉमस रैले" की अध्यक्षता में "विश्वविद्यालय आयोग" का गठन किया। इसने "शिक्षा पर पूर्ण सरकारी नियंत्रण" की सिफारिश की।

→ 1904 में कर्जन ने "भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम" पारित किया गया जिसके तहत कॉलेजों की स्वायत्तता समाप्त की गई उन्हें सरकारी नियंत्रण में रखा गया।

→ इस अधिनियम के तहत शिक्षा मंत्रानिदेशक पद का गठन किया गया।

प्रथम शिक्षा मंत्रानिदेशक → H.W. आरेंष

→ 1910 में "शिक्षा विभाग" की स्थापना की गई।

→ 1911 में गवर्नर जनरल की काउन्सिल में एक शिक्षा सदस्य की नियुक्ति की गई।

→ 1917 में "सैडलर कमीशन" का गठन किया गया।

1. "सैडलर कमीशन" की सिफारिशें →
महिला शिक्षा पर बल

1.

2. स्नातक स्तर पर 03 वर्षीय पाठ्यक्रम हो।

2.

3. प्रत्येक विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति हो।

3.

→ 1929 में "हार्टीग कमीशन" का गठन हुआ।

"हार्टीग कमीशन" की सिफारिशें →

1. ग्रामीण छात्रों को मिडिल तक शिक्षा के बाद व्यावसायिक शिक्षा

1.

2. केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की स्थापना।

2.

→ 1935 में शिक्षा को "प्रान्तीय विषय" बनाया गया।

→ 1937 में गांधी ने 'हरिजन समाचार पत्र' में 'बुनियादी शिक्षा' की "वर्धा योजना" प्रस्तुत की।

→

"वर्धा योजना" की सिफारिशें →

1. 7-14 वर्ष के बच्चों के लिए निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा।

1.

2. शिक्षा का माध्यम मातृभाषा

2.

3. स्वयं अनुकूल व्यावसायिक शिक्षा

3.

→ गांधी को "Father of Basic Education" कहा जाता है।

→

→ 1944 में "सार्जेन्ट कमीशन" का गठन हुआ।

→

" सार्वजनिक कमीशन " की सिफारिशें →

1. 06-14 वर्ष के बच्चों को निशुल्क अनिवार्य शिक्षा।

2. नवयुवकों को शरीर निर्माण तथा देश निर्माण की शिक्षा।

3. High School की शिक्षा केवल इन्हीं को जो उसके योग्य हों

→ 1948 में " राधाकृष्णन आयोग " का गठन किया जिसकी सिफारिश पर 1953 में UGC की स्थापना की।